पोकरण में 25 लाख की नगदी के साथ युवक को पकड़ा

संदिग्ध व्यक्ति को आयकर विभाग की टीम को सुपुर्द किया

पोकरण पुलिस ने 25 लाख नकदी सहित युवक को पकड़ा।

पोकरण, (निसं)। पोकरण में 25 लाख की नगदी के साथ युवक को पकड़ा। दस लाख रुपये से अधिक राशि होने के कारण आयकर विभाग को सूचना देनी आवश्यक होने से आयकर विभाग को सूचना दी गई। जिस पर आयकर विभाग की टीम पहुंची और संदिग्ध व्यक्ति को आयकर विभाग की टीम को सुपुर्द किया गया।

पोकरण चुनाव आयोग की गाईडलाईन अनुसार निष्पक्ष व भयमुक्त चुनाव के लिए जिला पुलिस अधीक्षक जैसलमेर विकास सांगवान के आदेशानुसार जिला जैसलमेर में विभिन्न स्थानों पर पुलिस नाकाबंदी हेतु नाका लगाये गये हैं। 13 अक्टूबर को प्राप्त मुखबिर सूचना पर गोपालसिंह भाटी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पोकरण के निर्देशन में कैलाश बिश्नोई वृताधिकारी पोकरण के सुपरविजन में दिनेश लखावत निपु थानाधिकारी पुलिस थाना पोकरण के नेतृत्व में पुलिस नाका लवां पर बस्ताराम सउनि, प्रवीणसिंह हैड कानिस्टेबल मय जाब्ता व भीमराव सिंह हैड कांस्टेबल डीसीआरबी जैसलमेर मय जिला विशेष टीम द्वारा प्राईवेट बस को रुकवाकर तलाशी ली, तो बस में सवार संदिग्ध व्यक्ति मिला जिसको नाम पता पूछा तो अमरसिंह पुत्र हीरसिंह राजपूत साल निवासी पोहडा पुलिस थाना सदर जिला जैसलमेर होना बताया।

जिसके पास मिले काले रंग बैग के बारे में पूछा तो उसने इस बैग में लगभग 25 लाख रूपये नगद होना बताया जो कि दो अलग अलग पैकेट में डाले हुए थे। नगदी के बारे में उक्त शख्स से पूछताछ की गई तो कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। मामला संदिग्ध होने के कारण उसे पुलिस टीम द्वारा डिटेन किया गया। दस लाख रुपये से अधिक राशि होने के कारण आयकर विभाग को सूचना देनी आवश्यक होने से आयकर विभाग को सूचना दी गई। जिस पर आयकर विभाग की टीम पहुंची। जिस पर रूपयों की नियमानुसार गिनती की गई तो कुल 24,68,700 रुपये नगद व संदिग्ध व्यक्ति अमरसिंह को आयकर विभाग की टीम को अग्रीम कार्यवाही हेतू सुपुर्द किया गया।

नाकाबंदी में 53 लाख रुपए की नकदी मिली

दो युवक गिरफ्तार

- बरामद नगदी के बारे में दोनों युवकों से पूछताछ करने पर कोई जवाब नहीं दिया
- जिला पुलिस व आबकारी विभाग ने संयुक्त कार्यवाही की

ब्यावर, (निसं)। आगामी विधानसभा आम चुनाव 2023 की घोषणा के पश्चात लागू आचार संहिता के तहत जिला प्रशासन, पुलिस विभाग सहित अन्य संबधित विभाग चुनाव से जुड़ी प्रत्येक गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इसी के तहत शनिवार को पुलिस व आबकारी विभाग के संयुक्त दल द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई।

उपखंड अधिकारी मृदुल सिंह के निर्देश पर उदयपुर रोड स्थित चुंगी नाका पर पुलिस व आबकारी के लगभग 15 स्टाफ द्वारा नाकाबंदी कर सभी वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही थी। इसी दौरान एक काले रंग की कार की तलाशी के दौरान 53 लाख रुपए की नगदी बरामद हुई एवं दो लोगों को गिरफ्तार किया जाकर पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

उपखंड अधिकारी मृदुल सिंह ने बताया कि कार्यवाही की सूचना एफएसटी टीम को दी गई है व चुनाव के नियमों के तहत आगे की कार्यवाही जारी है। सहायक पुलिस अधीक्षक मनीष चौधरी ने बताया कि बरामद की गई नगदी के बारे में दोनों युवको द्वारा पूछताछ करने पर संतोषजनक जवाब नहीं दिए जाने पर उन्हें गिरफ्तार व नकदी जब्त कर आगे की कार्यवाही की जा रही है । इस दौरान आबकारी विभाग के पेट्रोलिंग अधिकारी छीतरमल, कांस्टेबल इरफान सहित ब्यावर सीओ स्टाफ, साकेत नगर थाना व सिटी थाना के स्टाफ मौजूद रहे।

जिला कारागार का मुख्य प्रहरी 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

आरोपी रामावतार शर्मा

- परिवादी के दोस्त को कारागार में परेशान नहीं करने की एवज में रिश्वत ली

बहरोड़/अलवर, (निसं)। शनिवार को एसीबी मुख्यालय जयपुर के निर्देश पर अलवर की प्रथम इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुए जिला कारागार अलवर के मुख्य प्रहरी को परिवादी के दोस्त को कारागार में परेशान नहीं करने की एवज में 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों धर दबोचा।

एसीबी अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की अलवर प्रथम इकाई को परिवादी ने बताया गया कि दोस्त को कारागार में परेशान नहीं करने की एवज में जिला कारागार अलवर का मुख्य प्रहरी रामावतार शर्मा 70 हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा है। जिस पर जयपुर के उप महानिरीक्षक एसीबी पुलिस कालूराम रावत के सुपरविजन में अलवर की प्रथम इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया गया और शनिवार को पुलिस निरीक्षक प्रेमचंद और उसकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुए रामावतार पुत्र हजारीलाल शर्मा निवासी मालूताना तहसील थानागाजी जिला अलवर जो कि हाल में मुख्य प्रहरी जिला केंद्रीय कारागार अलवर में परिवादी से 20 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। वहीं एसीबी उप महानिरीक्षक कालूराम रावत के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

500-500 के 88 जाली नोट सहित एक गिरफ्तार

नकली नोटों के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया।

उनियारा/चौरु/टोंक, (निसं)। राजर्षि राज पुलिस अधीक्षक टोंक आदेशानुसार अगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अलीगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत में पचाला चौकी पर नाकाबन्दी के दौरान 500-500 रुपये के 88 जाली नोट सहित एक मुल्जिम गिरफ्तार किया गया है।

अलीगढ़ थानाधिकारी हेमराज मीना ने बताया कि जाप्ता मय जीप पचाला चौकी प्रभारी हेड कांस्टेबल राम सहाय गुर्जर द्वारा चौकी पचाला के सामने एन. एन 116 पर नाकाबन्दी की जा रही थी। दौराने नाकाबन्दी एक ब्रेजा कार बिना नम्बरी सवाई माधोपुर की तरफ आती हुई दिखाई दी। जिसको अलीगढ़ थानाधिकारी हेमराज मीणा मय जाप्ता द्वारा रोककर गाड़ी में आगे बैठे व्यक्ति को नीचे उतारकर चैक किया तो उसके पैन्ट के दाहिनी जेब में एक 500-500 रुपये के नोटों की गड्ढी मिली। जिसके बारे में उक्त व्यक्ति से उक्त नोटों के बारे में पूछताछ की जा रही थी। इतने में ब्रेजा गाडी का चालक अपनी गाडी को लेकर अन्धेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

उक्त व्यक्ति से अपना नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम जसराम पुत्र लट्ठुलाल मीना उम्र 24 साल निवासी मेदपुरा थाना बौली जिला सवाई माधोपुर का होना बताया। जिसके पास तलाशी में मिले 500-500 के कुल 88 नोट कुल 44,000 रुपये पाये गये जिस पर नोटों को बारिकी से देखा गया तो उक्त 500-500 रुपये के नोटों पर भारतीय रिजर्व बैंक व दो-दो, तीन-तीन अलग अलग नोटों पर एक ही सीरीयल नं. अंकित होने से उक्त नकली नोट होना पाया जाने पर 44,000 रुपये के नकली नोटो को जरिये फर्द मौके पर ही जप्त किया गया एवं मुल्जिम को गिरफ्तार किया गया।

'ईडी का उपयोग कर अपनी हार की बौखलाहट जता रही है भाजपा'

- ईडी के छापों के बाद दिनेश खोडनिया का किरोड़ी व भाजपा पर पलटवार

डूंगरपुर, (निसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं एआईसीसी के सदस्य दिनेश खोडनिया ने शुक्रवार को उनके निवास व समधि के यहां ईडी द्वारा की गई कार्यवाही को लेकर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा देश में लोकतंत्र को खत्म करने पर आमदा है और ईडी ओर सीबीआई के जरिये कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं को दबाने का प्रयास कर रही है जो कि उसके आगामी पांच राज्यों में होने वाले चुनावों में बौखहलाहट का प्रतीक है, लेकिन गांधी के विचारक कांग्रेस जन कभी भी हारने वाले नहीं है तथा हर चुनौति का डटकर मुकाबला करेंगे। खोडनिया ने यह बात शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही।

उन्होंने कहा कि पेपर लिक मामले में आरोपी बाबूलाल कटारा की गिरफ्तारी के बाद से ही उदयपुर संभाग में कांग्रेस जनों को भाजपा का केन्द्र नेतृत्व टारगेट बनाने पर आमदा था और इसी के चलते भूपेन्द्र सारण नामक आरोपी के कहने पर उन्हें भी निशाना बनाया गया और उसी के चलते शुक्रवार को जब वे उदयपुर थे अल सुबह ईडी के अधिकारी उनके सागवाडा निवास पर पहुंचे। जैसे ही उन्हें सूचना मिली वे भी सागवाडा पहुंचे जहां उनसे बाबूलाल कटारा की आरपीएससी मेम्बर के रूप में हुई नियुक्ति में भूमिका को लेकर सवाल दागे गये। जिस पर उन्होंने कहा कि उदयपुर संभाग जनजाति बाहुल क्षेत्र है और यहां से इस महत्वपूर्ण सरकारी महकमे में नियुक्ति के रूप में एक व्यक्ति का चयन सत्तारूढ़ दल के नेताओं व क्षेत्रीय संगठनों के कहने पर नियुक्ति होती है और उसी के चलते इस क्षेत्र के तमाम जन प्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों ने कटारा सहित अन्य नामों की शिफारिश की थी और उसी आधार पर राजस्थान लोक सेवा आयोग में सदस्य के रूप में नियुक्ति की गई जो कि पूरी तरह पारदर्शी व नियमानुसार की गई।

उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में उनके उपर बेबूनियाद आरोपों के जरिये तथा राज्य की अशोक गहलोत सरकार द्वारा जो जनहित के कार्य किये गये है उससे बोखहलाकर भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व अन्य राज्यों की तरह राजस्थान में भी ईडी का दुरूपयोग करने में जुटी हुई है और उसके जरिये वह कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दबाने की कौशिश कर रही है लेकिन आजादी से पूर्व जो देश को मजबुत बनाने का संकल्प लेकर चलने वाले संगठन के कार्यकर्ता भाजपा की इन घटिया चालों से विचलित होने वाले नहीं है। यही नहीं उन्होंने आरोप लगाया कि कटारा प्रकरण को आठ माह गुजर जाने के बावजूद चुनावों की तिथि घोषणा एवं आचार संहिता लगने के साथ ही ईडी की छापेमारी बढ़ना राज्य में भाजपा की हार को सुनिश्चित करता है।

उन्होंने भाजपा के मानसिक रूप से बीमार सांसद किरोड़ीलाल मीणा द्वारा उन पर लगाये गये आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि आये दिन वे इसी तरह की हरकतों के कारण चर्चाओं में रहते है। उन्होंने कहा कि अगर संगठन ने उन्हें मौका दिया तो वे किरोडीलाल मीणा के खिलाफ ही चुनाव मैदान में उतरेंगे। पत्रकार वार्ता में अल्पसंख्यक वित्त विकास आयोग के अध्यक्ष असरार अहमद, कांग्रेस जिलाध्यक्ष वल्लभराम पाटीदार, सागवाडा पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र खोडनिया सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

सांसद देवजी पटेल को टिकट देने पर छह भाजपा मंडल अध्यक्षों ने इस्तीफा दिया

सांचोर में जीवाराम-दानाराम ने एक होकर चुनाव लड़ने की भरी हुंकार

सांचोर विस. क्षेत्र में टिकट वितरण से नाराज छह मंडल अध्यक्षों ने प्रदेशाध्यक्ष जोशी को इस्तीफा भेजा।

जालोर, (कासं)। सांचोर विधानसभा क्षेत्र से सांसद देवजी पटेल को भाजपा द्वारा टिकट देने के बाद विरोध थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। शनिवार को भाजपा के दावेदार पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी व पूर्व प्रत्याशी दानाराम चौधरी ने शीर्ष नेतृत्व को आगाह किया कि 30 अक्टूबर तक सांचोर से टिकट नहीं बदला तो आमजन व कार्यकर्ता जो निर्णय लेंगे वह स्वीकार होगा। दोनों ने प्रेस वार्ता कर देवजी को टिकट देने का विरोध प्रकट कर आलाकमान को चेताया कि जीवाराम व दानाराम दोनों में किसी एक को टिकट देने पर भाजपा इस सीट से विजय होगी। अन्यथा परिणाम विपरित नजर आयेंगे। वहीं सांसद देवजी पटेल को टिकट देने पर विधानसभा क्षेत्र सांचोर के छह भाजपा मंडल अध्यक्षों ने इस्तीफा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को भेजा।

देवजी पटेल को विरोध के चलते क्षेत्र में भाजपा का बिखराव देने को मिल रहा है। शनिवार को पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी ने प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व को कहा गया कि 30 अक्टूबर तक सांचोर क्षेत्र का टिकट बदलना पडेगा, अन्यथा परिणाम विपरित होंगे। उन्होंने कहा कि सांसद देवजी पटेल का इस क्षेत्र से टिकट पहले से फाईल हो गया था। लेकिन उन्होंने हम दोनों को गुमराह कर धोखा किया है। सांचोर में पर्यवेक्षक के आने के दौरान हम दोनों ने ताकत दिखाई तथा पैनल में भी नाम जीवाराम व दानाराम का था।

लेकिन सांसद ने आला कमान को गुमराह का हम दोनो की आपसी लडाई बताकर हमारे बीच दोस्त करने का वादा कर टिकट लाने में सफल हो गये। धोखे से लाये गये टिकट से हम दोनो में रोष है तथा सांसद देवजी पटेल को जनता स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान जीवाराम व दानाराम दोनों किसी में से एक को टिकट देती है तो दोनों मिलकर भाजपा का परचम लहरायेंगे। यदि पार्टी टिकट नहीं देती है तो जनता व आम कार्यकर्ता जो तय करेंगे हम दोनो मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

सांचोर में शनिवार को भाजपा के 6 मंडल अध्यक्षों ने एक साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया। सांचोर विधानसभा क्षेत्र के छह मंडल अध्यक्षो ने इस्तीफा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को भेजा। मंडल अध्यक्षों ने प्रेस कॉफ्रेंस कर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को पत्र भेजकर पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी और पूर्व बीजेपी प्रत्याशी दानाराम चौधरी को टिकट देने की मांग की। सांचौर में भाजपा से इस्तीफा देने वाले मंडल अध्यक्षों में सांचोर नगर मंडल अध्यक्ष पुरेंद्र व्यास, सांचोर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सांवलाराम देवासी, टांपी डूंगरी मंडल अध्यक्ष डुगराराम जाट, केसूरी मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, अरणाय मंडल अध्यक्ष जैसाराम भील, चितलवाना मंडल अध्यक्ष माधाराम पुरोहित शामिल है।

गहलोत को टक्कर देने वाले दमदार प्रत्याशी की तलाश में उलझी भाजपा

- 2023 के विधानसभा चुनाव को लेकर देश-प्रदेश के लोगों की नजर सरदारपुरा विधानसभा सीट पर टिकी हुई है

जोधपुर, (कासं)। सरदारपुरा विधानसभा सीट राजस्थान की महत्वपूर्ण विधानसभा सीट है। 2023 के विधानसभा चुनाव को लेकर देश प्रदेश के लोगों की नजर इसी पर टिकी हुई है। यहां से कांग्रेस पार्टी को टिकट आंवटन की टेंशन बिल्कुल नहीं है। सब जानते हैं कि यह सीट मुख्यमंत्री गहलोत के लिए पहले से रिजर्व है। राजस्थान के 2023 विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से सरदारपुरा सीट से एक लाइन का प्रस्ताव सीएम अशोक गहलोत के पक्ष में पारित हुआ है।

यहां से जीताऊ प्रत्याशी खड़ा करना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है। यहां से 2018 में कांग्रेस प्रत्याशी अशोक गहलोत थे। जोधपुर की सरदारपुरा सीट पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गढ रहा है। पिछली बार गहलोत ने लगातार पांचवी बार इस सीट से जीत हासिल की थी। इस सीट पर बीजेपी की ओर से शंभू सिंह खेतासर दो बार चुनाव हार चुके हैं। साल 2018 के चुनाव में हार-जीत में 45 हजार से ज्यादा वोटों का अंतर रहा। इस बार शंभू सिंह खेतासर ने सरदारपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है।

सरदारपुरा विधानसभा सीट राजस्थान में सर्वाधिक चर्चित सीट है। 1998 में जब अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बनें तो वह विधानसभा चुनाव नहीं लड़े थे। सरदारपुरा के विधायक मानसिंह देवड़ा ने उनके लिए सीट खाली की थी। जिसके बाद हुए उपचुनाव में गहलोत इस सीट से विधायक बनें। उसके बाद से गहलोत ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। यहां पर अशोक गहलोत लगातार जीतते रहे हैं।

अभी कांग्रेस या भाजपा ने यहां से प्रत्यशियों के नामों की घोषणा नहीं की है। यहां पर कांग्रेस प्रत्याशी को लेकर लोगों में कोई संशय नहीं है।बच्चा बच्चा जानता है कि यहां पर कांग्रेस के प्रत्याशी वर्तमान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही होंगे। शहर में इन दिनों मुख्य रूप से लोगबाग इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि गहलोत के सामने भाजपा प्रत्याशी कौन होगा?

हालांकि हाल ही जोधपुर आए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और राजस्थान प्रदेश के प्रभारी अरूण सिंह ने सरदारपुरा सीट पर भाजपा के विजय होने का दावा किया था। उन्होंने कहा था कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा विजय का परचम लहरायेगी। कांग्रेस के गिनती के विधायक ही विधानसभा पहुंचेगे।

वैसे यहां भाजपा से टिकट चाहने वालों की ज्यादा मारामारी नहीं है। वैसे जो नाम चर्चा में है उनमें प्रमुख नाम केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का है। इसके बाद भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह कच्छवाहा तथा जेडीए के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र सिंह राठौड़ का नाम भी सामने आ रहा है। वैसे भाजपा कार्यकर्ता को केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत पर ज्यादा भरोसा है। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि अशोक गहलोत को केवल केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ही पछाड़ सकते हैं।

मगर इसमें भी भारी रिस्क है। क्योंकि सरदारपुरा विधानसभा क्षेत्र में माली समाज के मतदाताओं का बोलबाला है। अशोक गहलोत खुद माली समाज से आते हैं। मुस्लिम वोट तो गहलोत को एकमुश्त पड़ने वाले हैं। जहां तक भाजपा कार्यकर्ताओं के विश्वास की बात है, वह अपनी जगह ठीक है। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत आज की तारीख में भाजपा के कद्दावर नेता है। गहलोत के सामने उनका आना चुनाव को रोचक बना देगा। टक्कर भी कांटे की रहेगी। इसमें भी कोई शक नहीं है कि भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व शेखावत की जीत के अपनी पूरी ताकत झोंकने में पीछे नहीं रहेगा।

वैसे दिन बीतने के साथ ही सरदारपुरा को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। सरदारपुरा में 1967 डी. दत्त भारतीय जनसंघ, 1972 अमृत लाल गहलोत कांग्रेस, 1977 माधो सिंह कच्छवाहा जनता पार्टी, 1980 मानसिंह देवड़ा कांग्रेस, 1985 मान सिंह देवड़ा कांग्रेस, 1990 राजेंद्र गहलोत भारतीय जनता पार्टी, 1993 राजेंद्र गेहलोत भारतीय जनता पार्टी, 1998 मान सिंह देवड़ा कांग्रेस, 1998 (उपचुनाव) अशोक गहलोत, 2003अशोक गहलोत कांग्रेस, 2008अशोक गहलोत कांग्रेस, 2013 अशोक गहलोत कांग्रेस, 2018 में अशोक गहलोत कांग्रेस से विजयी हुए।

युवक का शव मिला

- पुलिस ने शव को शिनाख्त के लिए अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित एक होटल के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी के मुताबिक मृत व्यक्ति आंध्रप्रदेश का बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार शनिवार प्रात: राजमार्ग स्थित एक होटल पर एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। जिसे होटलकर्मियों ने तुरंत राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर छानबीन के लिए पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि मृतक काफी दिनों से इधर-उधर घूमता रहता है। जिसकी उम्र करीब 38-40 वर्ष है जो आंध्रप्रदेश का बताया जा रहा है। लोगों का यह भी कहना है कि उक्त मृतक व्यक्ति विभिन्न होटलों पर मजदूरी कर अपना पेट पालता था, लेकिन उसके परिवार के बारे में किसी को कोई जानकारी नहीं है। पुलिस ने शव को पहचान के लिए राजकीय अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया है।

25 हजार के इनामी को जोधपुर में दबोचा

जोधपुर, (कासं)। सीआईडी क्राइम ब्रांच पुलिस मुख्यालय की स्पेशल टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों व इनामी अपराधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में टीम ने शनिवार को चित्तौड़गढ़ से 25 हजार रुपये के इनामी को जोधपुर जिले के पीपाड़ सिटी इलाके से डिटेन किया। जिसे बाद में चित्तौड़गढ़ पुलिस के सुपुर्द किया गया।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के मध्य नजर अवैध मादक पदार्थ, शराब, हथियार के तस्करों एवं वांछित अपराधियों के बारे में जानकारी एकत्रित करने सीआईडी क्राइम ब्रांच की विभिन्न टीमें राज्य के अलग-अलग शहरों में भेजी गई है। गठित टीम आसूचना संकलित कर इनके विरुद्ध लगातार कार्रवाइयों को अंजाम दे रही है।

एडीजी एमएन ने बताया कि इसी दौरान क्राइम ब्रांच टीम के हेड कांस्टेबल राकेश जाखड़ को मुखबिर से मिली सूचना पर आईजी क्राइम प्रफुल्ल कुमार के पर्यवेक्षण एवं एडिशनल एसपी आशा राम चौधरी के सुपरविजन तथा इंस्पेक्टर सुभाष सिंह के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल महेश सोमरा, रविंद्र सिंह, राकेश जाखड़ कांस्टेबल नरेश द्वारा चित्तौड़गढ़ से 25 हजार के इनामी अपराधी लेखाराम उर्फ पीपी बिश्नोई पुत्र दौलत राम निवासी खोखरिया थाना पीपाड़ सिटी को जोधपुर से दबोच लिया।

एडीजी ने बताया कि आरोपी मादक पदार्थ की तस्करी के दौरान पुलिस कर्मियों पर जानलेवा हमला करने के मामले में 4 साल से फरार चल रहा था। थाना राशमी में दर्ज प्रकरण की जांच थाना कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसपी चित्तौड़गढ़ द्वारा 25 हजार का इनाम घोषित है। क्राइम ब्रांच की टीम ने इसे थाना कोतवाली पुलिस को उनके मामले में सुपुर्द कर दिया है। आरोपी के विरुद्ध राज्य के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट, हत्या, अपहरण इत्यादि के आधा दर्जन से अधिक प्रकरण दर्ज हैं। थाना पुलिस की टीम आरोपी से फरारी के दौरान किए गए अपराधों और साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है।